



RashiDaily

विवाह अनुकूलता रिपोर्ट

लड़का & लड़की

अष्टकूट गुण मिलान · वैदिक अनुकूलता विश्लेषण



अनुकूल

कुल अनुकूलता पारंपरिक रूप से सकारात्मक मानी जाती है, हालांकि कुछ व्यक्तिगत कारकों पर ध्यान देना आवश्यक हो सकता है। केवल कुल अंक के बजाय प्रत्येक कूट को देखना अधिक स्पष्टता देता है।

लड़का

जन्म तिथि और समय
जन्म स्थान

लड़की

जन्म तिथि और समय
जन्म स्थान

rashidaily.com



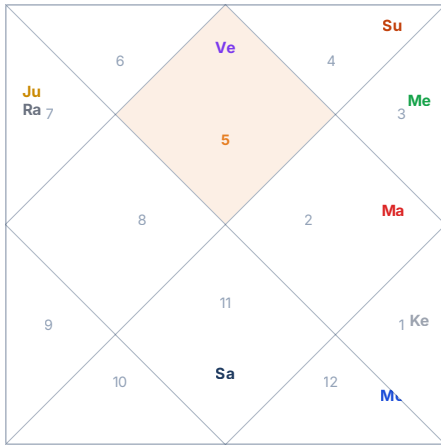
जन्म कुंडली सारांश

दोनों भागीदारों के लिए सायनरहित (Lahiri) स्थितियाँ

लड़का

जन्म तिथि और समय · जन्म स्थान

D1 · राशि चार्ट



लग्न

सिंह

राशि

मीन

नक्षत्र

उत्तराभाद्रपद-4

गण

मनुष्य

नाड़ी

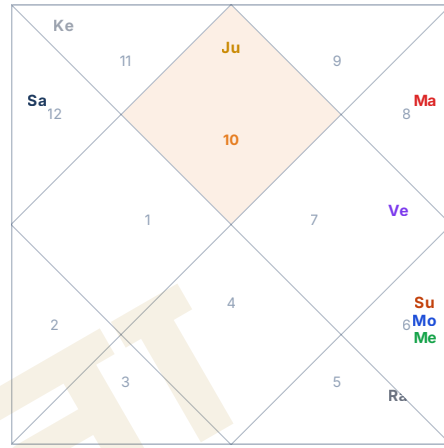
मध्य

ग्रह	राशि	भाव
सूर्य	कर्क	12
चंद्र	मीन	8
मंगल	वृषभ	10
बुध	मिथुन	11
बृहस्पति	तुला	3
शुक्र	सिंह	1
शनि	कुंभ R	7

लड़की

जन्म तिथि और समय · जन्म स्थान

D1 · राशि चार्ट



लग्न

मकर

राशि

कन्या

नक्षत्र

हस्त-4

गण

देव

नाड़ी

आदि

ग्रह	राशि	भाव
सूर्य	कन्या	9
चंद्र	कन्या	9
मंगल	वृश्चिक	11
बुध	कन्या	9
बृहस्पति	मकर R	1
शुक्र	तुला	10
शनि	मीन R	3

Su सूर्य Mo चंद्र Ma मंगल Me बुध Ju बृहस्पति Ve शुक्र Sa शनि Ra राहु Ke केतु



अष्टकूट गुण मिलान

शास्त्रीय वैदिक मिलान के आठ अनुकूलता कारक, दोनों कुंडलियों से अंकित

कूट	मिलान की मजबूती	स्कोर	यह क्या मापता है
वर्ण		1 / 1	दोनों भागीदारों के पारंपरिक वर्ण-ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र की शास्त्रीय चार-स्तरीय श्रेणी-की तुलना करता है और अष्टकूट में उनकी सापेक्ष वर्ण स्थिति का आकलन करता है।
वश्य		0.5 / 2	दोनों भागीदारों की चंद्र राशि के पारंपरिक वश्य वर्ग की तुलना करता है। इसका संबंध पारंपरिक रूप से परस्पर आकर्षण और प्रभाव के संतुलन से है; यह संबंध के वास्तविक भविष्य की भविष्यवाणी नहीं है।
तारा		1.5 / 3	भागीदारों के जन्म नक्षत्रों के बीच की दूरी गिनता है, जिसे पारंपरिक रूप से सामान्य कल्याण और जोड़ी की समग्र अनुकूलता से जोड़ा जाता है।
योनि		3 / 4	दोनों भागीदारों के नक्षत्र के पशु-प्रतीक की तुलना करता है, जिसे पारंपरिक रूप से शारीरिक और स्वभावगत अनुकूलता का संकेत माना जाता है।
ग्रह मैत्री		0.5 / 5	दोनों चंद्र राशियों के ग्रह स्वामियों की पारंपरिक मित्रता का आकलन करता है, जिसका संबंध मानसिक अनुकूलता, समझ और संवाद से माना जाता है।
गण		6 / 6	प्रत्येक नक्षत्र को देव, मनुष्य या राक्षस स्वभाव वर्ग में रखकर देखता है कि ये स्वभाव स्वाभाविक रूप से कितने अनुकूल हैं।
भकूट		7 / 7	दोनों चंद्र राशियों के कोणीय संबंध को मापता है, जिसे पारंपरिक रूप से पारिवारिक सामंजस्य और भौतिक कल्याण से जुड़ी चुनौतियों से जोड़ा जाता है।
नाड़ी		8 / 8	अष्टकूट पद्धति में इसका भार सबसे अधिक है (36 में से 8 अंक)। इसे पारंपरिक रूप से स्वास्थ्य, संतान और पारिवारिक वंश से जोड़ा जाता है।
कुल		27.5 / 36	अनुकूल



दोष विश्लेषण

शास्त्रीय अष्टकूट मिलान द्वारा जाँचे गए दो दोष



नाड़ी दोष

उपस्थित नहीं

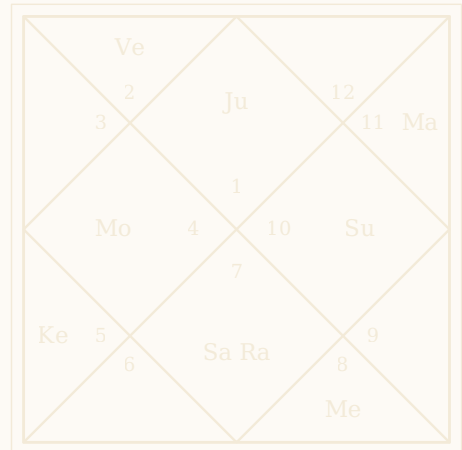
भागीदार अलग-अलग नाड़ी समूहों में हैं, इसलिए यहां नाड़ी दोष नहीं पहचाना गया। नाड़ी का भार सबसे अधिक होने से पूर्ण नाड़ी अंक को अष्टकूट में अनुकूल माना जाता है।



भकूट दोष

उपस्थित नहीं

चंद्र राशियां एक-दूसरे से दोषपूर्ण कोण में नहीं हैं, इसलिए यहां भकूट दोष नहीं पहचाना गया।





मंगल दोष

RashiDaily परंपरा के अंतर्गत लग्न से वर्गीकृत। चंद्र और शुक्र को अतिरिक्त पारंपरिक जाँचों के रूप में दिखाया गया है और वे परिणाम नहीं बदलते हैं।



लड़का

उपस्थित नहीं

संदर्भ	मंगल भाव में	परिणाम
लग्न प्राथमिक	10	पहचाना नहीं गया
चंद्र	3	पहचाना नहीं गया
शुक्र	10	पहचाना नहीं गया

इस रिपोर्ट द्वारा अपनाई गई परंपरा के अंतर्गत, मंगल लग्न से 1ले, 2रे, 4थे, 7वें, 8वें या 12वें भाव में नहीं है, इसलिए इस कुंडली में मंगल दोष की पहचान नहीं की गई है। संदर्भ के लिए चंद्र और शुक्र की जाँच दिखाई गई हैं और वे इस परिणाम को नहीं बदलती हैं।



लड़की

उपस्थित नहीं

संदर्भ	मंगल भाव में	परिणाम
लग्न प्राथमिक	11	पहचाना नहीं गया
चंद्र	3	पहचाना नहीं गया
शुक्र	2	पहचाना गया

इस रिपोर्ट द्वारा अपनाई गई परंपरा के अंतर्गत, मंगल लग्न से 1ले, 2रे, 4थे, 7वें, 8वें या 12वें भाव में नहीं है, इसलिए इस कुंडली में मंगल दोष की पहचान नहीं की गई है। संदर्भ के लिए चंद्र और शुक्र की जाँच दिखाई गई हैं और वे इस परिणाम को नहीं बदलती हैं।

किसी भी कुंडली में पहचान नहीं की गई। इस रिपोर्ट द्वारा अपनाई गई परंपरा के अंतर्गत, किसी भी कुंडली में लग्न से मंगल दोष की पहचान नहीं की गई है।



नक्षत्र कारक

दोनों चंद्र नक्षत्रों पर चार पारंपरिक जाँचें, 36-अंक स्कोर से अलग रिपोर्ट की गई

कारक	परिणाम	अर्थ
रज्जु लड़का: कटि लड़की: कंठ	कोई रज्जु दोष नहीं	दोनों चंद्र नक्षत्र अलग-अलग रज्जु समूहों में आते हैं, जिसे पारंपरिक पौरुथम मिलान इस कारक पर सहमति मानता है।
वेध	कोई वेध नहीं	दोनों चंद्र नक्षत्र शास्त्रीय वेध युग्म नहीं बनाते हैं। कुछ परंपराएँ वेध के अन्य प्रकारों को मानती हैं; यह रिपोर्ट केवल शास्त्रीय युग्मों की जाँच करती है।
महेन्द्र लड़की के नक्षत्र से गणना: 14	महेन्द्र उपस्थित नहीं	लड़की के नक्षत्र से गिने जाने पर, लड़के का नक्षत्र महेन्द्र स्थानों में से किसी एक पर नहीं आता है। महेन्द्र उपस्थित होने पर एक अनुकूल कारक है; इसकी अनुपस्थिति को दोष के रूप में वर्णित नहीं किया जाता है।
स्त्री दीर्घा लड़की के नक्षत्र से गणना: 14 (13 से ऊपर उपस्थित)	स्त्री दीर्घा उपस्थित	लड़की के नक्षत्र से गिने जाने पर, लड़के का नक्षत्र 13 स्थानों से अधिक आगे है, जो इस रिपोर्ट द्वारा उपयोग की गई स्त्री दीर्घा सीमा को पूरा करता है। पौरुथम मिलान पारंपरिक रूप से स्त्री दीर्घा को पत्नी के कल्याण और समृद्धि से संबद्ध मानता है।





समग्र आकलन

36 में से 27.5 गुण · अनुकूल

कुल अनुकूलता पारंपरिक रूप से सकारात्मक मानी जाती है, हालांकि कुछ व्यक्तिगत कारकों पर ध्यान देना आवश्यक हो सकता है। केवल कुल अंक के बजाय प्रत्येक कूट को देखना अधिक स्पष्टता देता है।

नमूना

Ve		Ju		12	
2	3			11	Ma
Mo		1	10	Su	
4	7			9	
Ke	5	Sa Ra		8	Me
6					



RashiDaily

इस रिपोर्ट के बारे में

यह एक संरचित पारंपरिक वैदिक ज्योतिष अनुकूलता विश्लेषण है। यह इस बात की भविष्यवाणी नहीं है कि विवाह सफल होगा या नहीं।

विधि। ग्रहों की स्थितियों की गणना Lahiri अयनांश का उपयोग करके Swiss Ephemeris से की जाती है, और NASA JPL Horizons के विरुद्ध एक आर्कसेकंड के भीतर सत्यापित की जाती है। अनुकूलता का अंकन 36 अंकों में से आठ-कारक अष्टकूट गुण मिलान प्रणाली का उपयोग करके किया जाता है।

दायरा। अष्टकूट कई पारंपरिक मिलान रूपरेखाओं में से एक है। RashiDaily परंपरा के अंतर्गत मंगल दोष को लग्न से वर्गीकृत किया जाता है, जिसमें चंद्र और शुक्र को अतिरिक्त जाँचों के रूप में दिखाया गया है; अन्य परंपराएँ तीनों का, या भावों के अलग समूह का उपयोग करती हैं, और भिन्न परिणाम पर पहुँच सकती हैं। नाड़ी और भूकूट दोषों को उन अपवादों के विरुद्ध जाँचा जाता है जिन पर अधिकांश पारंपरिक स्रोत सहमत हैं, और लागू होने वाला अपवाद 36 अंकों के स्कोर को बदले बिना दोष के साथ दिखाया जाता है; अन्य परंपराएँ अतिरिक्त अपवाद लागू करती हैं।

मार्गदर्शन। बताए गए उपाय पारंपरिक प्रथा हैं, जो जानकारी के लिए प्रस्तुत किए गए हैं। कोई उपाय किसी विशेष जोड़े पर लागू होता है या नहीं, यह पूर्ण कुंडली पर निर्भर करता है और इसकी पुष्टि किसी योग्य ज्योतिषी से की जानी चाहिए।

6	1	8
7	5	3
2	9	4